वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 340 | रविवार 9 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आंधी, बारिश का दौर थमा

पांच दिन में 6 डिग्री उछाल के साथ पारा 40 पर पहुंचेगा; लू भी चलेगी

जयपुर. शाबाश इंडिया

लगातार एक माह से चल रहा बारिश, ओलावृष्टि का दौर अब थमेगा। मौसम विभाग के के अनुसार अब गर्मी का दौर शुरू होगा, अप्रैल अंत तक भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। बीते चौबीस घंटे दिन का पारा 33.8 डिग्री रहा, लेकिन अगले 5 दिन में तापमान 6-7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ेगा। 13-14 अप्रैल तक तापमान 40 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं, रात का पारा भी 25 डिग्री तक जाने की संभावना है, जोकि फिलहाल 20 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

मार्च से ज्यादा गर्मी फरवरी में थी

इस बार फरवरी में अनुमान से ज्यादा गर्मी पड़ी थी। फरवरी अंत में तापमान सामान्य से 3 डिग्री तक ज्यादा 35 डिग्री तक दर्ज हुआ। मार्च में भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान था, पर एक के बाद एक सिस्टम सक्रिय होने से 30 मिमी तक बारिश हुई। मौसम विभाग का पहले अनुमान था कि मार्च में ही पारा 40 डिग्री तक पहुंचेगा, लेकिन 1 मार्च से अब तक सात पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुए और लगातार आंधी-बारिश का दौर जारी रहने से राजधानी में अधिकतम तापमान 35 डिग्री तक भी नहीं पहुंचा। वहीं रात का पारा 20 डिग्री से नीचे रहा जोकि सामान्य से कम है। अब पश्चिमी विक्षोभ सिस्टम का असर खत्म हो गया और मौसम साफ रहने की संभावना है। हालांकि

अगले दो तीन दिन आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, लेकिन अगले चौबीस घंटे में ही तापमान 1 से 2 डिग्री बढ़ेगा और दिन में तेज धूप रहेगी। अप्रैल के आखिर तक लू चलने का अनुमान है।

वंदे भारत में जयपुर से दिल्ली का किराया तय

चेयरकार से दोगुना है एग्जीक्यूटिव क्लास का फेयर; जयपुर मंडल ही चलाएगा ट्रेन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर से नई दिल्ली के बीच बुधवार से शुरू हो रही वंदे भारत को लेकर मुख्यालय और जयपुर मंडल ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। शनिवार को भी इसे लेकर बैठक की गई। 12 अप्रैल को ट्रेन में सिर्फ आमंत्रित सदस्य ही जयपुर से नई दिल्ली तक जाएंगे। वापसी में ट्रेन नई दिल्ली से अजमेर जाएगी। अगले दिन से ट्रेन नियमित संचालित की जाएगी। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ट्रेन की एक्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1375 रुपए व चेयरकार का 695 रुपए होगा। अभी इसमें कैटरिंग चार्ज और जीएसटी शामिल नहीं। दरअसल, अभी ऑपरेटिंग विभाग ने ट्रेन के स्टॉपेज और शेड्यूल का फाइनल नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है। जैसे ही नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा, उसके बाद अकाउंट्स विभाग और आईआरसीटीसी इसका कैटरिंग चार्ज और जीएसटी निर्धारित करेगा। इसके बाद ही इसका किराया निर्धारित किया जाएगा। सूत्रों की मानें तो सोमवार तक इसे सिस्टम पर अपडेट कर दिया जाएगा। जिसके बाद आम यात्री के लिए बुकिंग शुरू हो जाएगी। बता दें, शनिवार से शुरू की गई सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत ट्रेन में कैटरिंग सर्विस जयपुर में फूड प्लाजा संचालित कर रही निजी कंपनी को दिया गया है। कंपनी के जीएम यादव और विकास शुक्ला ने बताया कि ये उनकी पहली वंदे भारत ट्रेन है।

राजस्थान में कोविड के 137 केस

एक सप्ताह में 500 से ज्यादा नए मरीज मिले, 4 की मौत; संक्रमण दर 4 फीसदी पहुंची

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में अब कोरोना फिर से बढ़ने लगा है। लगातार तीसरे दिन कोविड के केस 100 से ज्यादा है, जिसके कारण राज्य में संक्रमण की दर भी 4 फीसदी के नजदीक पहुंच गई। राज्य में पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट में 137 नए मरीज आए है। राज्य में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 496 पर पहुंच गई है। कोरोना के बढ़ते केस के पीछे कारण विशेषज्ञ ओमिक्रॉन के सब वैरिएंट इ.1.16 बता रहे है, जो काफी तेजी से इन दिनों फैल रहा है। राजस्थान में पिछले 24 घंटे के दौरान 1781 संदिग्ध लोगों की जांच की गई, इसमें से 137 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। संक्रमण की दर देखे तो आज 7.69 दर्ज हुई है। जिलेवार रिपोर्ट देखे तो सबसे ज्यादा केस जयपुर में 46 मिले है, जबकि जोधपुर में 17, उदयपुर-अजमेर में 15-15 और अलवर में 11 केस मिले है।

एक सप्ताह में 500 से ज्यादा केस

राजस्थान की पिछले एक सप्ताह की रिपोर्ट देखे तो 13,370 लोगों की जांच की गई, जिसमें से 508 लोग पॉजिटिव मिले है। राज्य में एक सप्ताह की औसत पॉजिटिविटी रेट 3.80 फीसदी पर आ गई। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक किसी भी शहर या स्टेट में अगर एक सप्ताह की औसत पॉजीटिविटी रेट 5 फीसदी आती है तो ऐसा माना जाता है कि वहां संक्रमण कंट्रोल में नहीं है।

सामान्य लक्षण लेकिन आर वैल्यू ज्यादा

एसएमएस अस्पताल के सीनियर प्रोफेसर डॉ. पुनीत सक्सेना के अनुसार- नया वैरिएंट इ 1.16 की आर वैल्यू ज्यादा है। यानी इस वैरिएंट से संक्रमित मरीज के संपर्क में आने वाले दूसरे व्यक्ति भी जल्दी संक्रमित हो रहे हैं। इससे पहले जो ओमिक्रॉन के दूसरे वैरिएंट थे वो इतनी तेजी से स्प्रेड नहीं हो रहे थे। उनमें बीमारी के लक्षण भी सामान्य से भी हल्के थे।

अगर कोई मरीज संक्रमित हो भी रहा था तो उसे हल्के जुकाम-खांस जैसे लक्षण दिख रहे थे। इस वैरिएंट की चपेट में आने वाले मरीजों में तेज जुकाम-बुखार, खांसी के अलावा शरीर में थकान और कमजोरी भी महसूस हो रही है।

पंचकल्याणक महा महोत्सव के समापन पर निकली गजरथ फैरी

चौबीस समवशरण विधान का हुआ भव्य समापन। सुख को सभी के बीच बांटोगे तो दुःख आयेगा ही नहीं: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

महरौनी. शाबाश इंडिया

श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ एवं श्री मद् जिनेन्द्र चौबीस समवशरण विधान के भव्य समापन पर आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया सुयस के निर्देशन में आज दोपहर में भव्य गजरथ फैरी निकाली गई जिसमें गजरथ की पहली मंजिल पर भगवान जिनेन्द्र देव को लेकर सौधर्म इन्द्र कुबेर इन्द्र महायज्ञ नायक सहित मुख्य पात्र बैठे थे।

108 कुंडिये महामज्ञ में सवा करोड़ मंत्रो द्वारा दी आहुतियां

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि यशोदय तीर्थ महरौनी में पहली बार चौबीस समवशरण विधान के साथ ही श्री मद्जिनेन्द्र पंच कल्याणक महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन एक साथ हुआ आज महोत्सव के समापन पर गजरथ की सात फैरीयो के साथ महोत्सव पूर्ण हुआ। इसके पहले 108 कुडिये विश्व शांति महायज्ञ

में सवा करोड़ मंत्रो की आहुतियां प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया के निर्देशन में दी महायज्ञ में प्रथम तीर्थंकर कुंड पर सौधर्म इन्द्र कुबेर इन्द्र महायज्ञ नायक यज्ञनायक परिवार सहित विराजित हो आहुतियां समर्पित कर रहे थे इसके बाद अरिहंत कुंड पर इंसान इन्द्र सनत कुमार इन्द्र महेंद्र इन्द्र के साथ ही यज्ञनायक परिवार और सामान्य केवली कुंड पर भरत बहुबलि परिवार राजा सोम श्रेयांस राजा परिवार सहित विराजित हो आहुतियां समर्पित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दुःख में हम सब करते हैं सुख में सब भूल जाते हैं आज हमें उच्च कुल मिला जो तुमने पूर्व में किया वही आगे करना काम सटाने के लिए धर्म नहीं करना हमे अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए धर्म करना है लक्ष्मी तुम्हारे पास इसलिए आई थी कि तुम्हारे निकट तीर्थ वन रहा है उसमें कुछ एफ डी करा ली चिन्ता मत करना मुझे पता है कि बहुत से लोगों ने शक्ति से ज्यादा किया जिनके शक्ति नहीं थी फिर भी किया तो ऐसे लोग वे ही होते हैं जिनके यहां अक्षय निधियां प्रकट होती है उन्होंने कहा कि जो जो धार्मिक क्रिया आप अपनी शक्ति कम होने के कारण नहीं कर सकते वे किसी एक व्यक्ति को प्रेरित करें कार्य करवाए तुम मुनि नहीं वन सकते लेकिन पुरी शक्ति लगा कर एक मुनि राज को वनाये आप मन्दिर नहीं वना सकते किसी को प्रेरित करके मन्दिर वनवा देना तुम रात्रि भोजन का त्याग नहीं कर सकते तो किसी को प्रेरित करके उससे रात्रि भोजन छोड़वा देना और कुछ नहीं कर सकते तो जो मन्दिर वनाये उसे जय जिनेन्द्र कर लेना । आप मन्दिर नहीं वना सकते तो एक ईट लगा देना वो ईट तुम्हारे लिए एंटीना का काम करेगी। उन्होंने कहा कि जो अपने सुख का वंटवारा करते हैं उनके दुःख कभी आयेगा ही नहीं आप विवाह आदि करते हैं तो सभी चाहने वालों को क्यों वुलाते आज मेरे घर में खुशी है सभी रिश्ते दार चाहने वाले मित्रों को आप मना मना कर बुलाते हैं दुःख में वुलाया नहीं जाता घर के आगे पुरा गांव इकट्ठा हो जाता है आज आप मन्दिर का शिलान्यास कर रहे हैं तो शिलान्यास करने वाले से कहना है कि जिन रास्ते दारों को आप सुखी देखना चाहते हैं उनके नाम से जिनालय के शिलान्यास में एक शिला रख देना जिन की दुःख की खबर आप नहीं चाहते उनके लिए आप एक शिला जरूर रखना।

दिनेश बज रोटरी सिटीजन के वर्ष 2024- 25 के अध्यक्ष चुने गये

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के वर्ष 2024-25 के लिये दिनेश बज को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है । क्लब अध्यक्ष रवींद्र नाथ ने बताया की दिनेश बज क्लब के चार्टर सचिव है और अनेक पदो पर रह चुके है वर्तमान में क्लब के मुख्य सहलाकार है ।

ज्ञान से आत्मा संतुष्ट होती है: आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण

जैन छात्रावास में धर्मसभा को किया सम्बोधित

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

ग्वालियर। शिक्षा जीवन की अतिआवश्यकता है जितनी आवश्यकता शरीर को भोजन, हवा, पानी की है, उतनी ही आवश्यकता आत्मा को ज्ञान की है । भोजन से शरीर संतुष्ट होता है, तो ज्ञान से आत्मा संतुष्ट होती है । ज्ञान और शिक्षा संस्कृत का शब्द है। सीख प्राकृत का शब्द है। किसके लिए सीखना, जीवन को संस्कारित करने के लिए सीखना। उक्त विचार जैन साध्वी गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने जैन छात्रावास ग्वालियर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। स्वस्तिधाम प्रणेत्री गुरुमां ने बताया कि कार्य दो तरह के होते है । एक कार्यक्रम हुआ, आनन्द लिया और समाप्त हो गया । दूसरा स्थायी रूप से लोगों को लाभ मिलना । आज समाज में बहुतायत संख्या में छोटी बड़ी संस्थाएं हैं । जो सदैव कोई न कोई आयोजन करते रहते हैं । अच्छी बात है करना भी चाहिए पर इसके साथ ही शिक्षा और संस्कारों पर भी ध्यान देना चाहिए । शिक्षा के विना, ज्ञान के विना, संस्कारों के विना मानव जीवन व्यर्थ है। हम सभी को अपनी

सुविधानुसार इस हेतु प्रयास करना चाहिए । यदि आप साधन सम्पन्न हैं, पढ़े लिखे हैं तो फुर्सत जे समय में किसी भी स्कूल या आश्रम में जाकर धार्मिक पुस्तकें वितरित कर सकते हैं। मन्दिर जी में जाकर वहां रखी पुस्तकों की सफाई आदि करके व्यवस्थित रख सकते हैं। परम पूज्य गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी इस समय ग्वालियर प्रवास पर हैं। आज वह चम्पाबाग जैन धर्मशाला से विहार करते हुए जैन छात्रावास ग्वालियर पहुचकर वहां आयोजित शिलान्यास समारोह में सान्निध्य प्रदान किया ।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने किया अमर कंटक से विहार

दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

अमर कंटक. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ससंघ ने अमर कंटक पंच कल्याणक महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के समापन के कुछ दिन प्रवास कर आज दोपहर वाद डिंडोरी रोड़ की ओर विहार कर दिया । इसके पहले आज प्रति दिन की भांति समस्त धार्मिक क्रियाओं का आयोजन श्री तीर्थ पर हुआ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की महा पूजन के वाद आहार चार्या सम्पन्न हुई । कल आचार्य भगवंत ने सहत्रकूट जिनालय सहित नवीन जिनालय की वंदना की थी तव ही से विहार की सम्भावनाये श्रद्धालु व्यक्त कर रहे थे। दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता विजय धुर्रा ने बताया कि विगत दिनों मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अमरकंटक पहुंच कर संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त इसके बाद उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि आचार्यश्री विद्यासागर जी अद्भुत संत हैं। वे केवल जैन धर्म के नहीं, राष्ट्र के संत हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम अपने नेत्रों से उनके दर्शन कर पा रहे हैं।आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज करोड़ों लोगों को धर्म और मोक्ष का मार्ग दिखा रहे हैं। जो सनातन भारतीय परंपरा है, उस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए और महावीर स्वामी जी ने जो राह दिखाई है, उस पर चलने के लिए जन-जन को प्रेरित कर रहे हैं।

हम सौभाग्यशाली हैं कि हम अपने नेत्रों से आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के दर्शन कर पा रहे हैं : शिवराज सिंह चौहान

गायों के लिए मध्यप्रदेश में एम्बुलेंस सेवा प्रारंभ की जायेगी: शिवराज सिंह

दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता विजय धुर्रा ने बताया कि इस दौरान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सीध्र ही मध्यप्रदेश की हर विधानसभा क्षेत्र में एक एम्बुलेंस दी जा रही है इसमें चिकित्सा के साथ ही सेवक व चिकित्सा सुविधाओ से लैस होगी।

विद्यार्थियों को दी कोर्स की किट व बैग

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित ग्रूम माय स्किल्स में विद्यार्थियों को फ्री ड्रेस, बैग, आई कार्ड व स्टेषनरी का वितरण किया गया। संस्था के निदेशक राहुल गोधा ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल सरकार संरक्षण समिति राजस्थान की सदस्य दमयंती बाकोलिया व मुख्य अतिथि क्षेत्रीय पार्षद काजल भीमवाल ने विद्यार्थियों को कोर्स की उपयोगिता एवं आजकल के प्रतियोगिता से लड़ने के बारे में बताया। अन्त में निदेशक राहुल गोधा ने सभी गण मान्य अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित कर कोर्स की किट प्रदान की गई।

।।श्री नेमीनाथाय नमः।। ।।श्री पितृ कृपा नमः।।

जैन यात्रा सर्विस

जैन यात्रा सर्विस द्वारा 2×2 ए.सी. बस से आयोजित 10 दिवसीय बुंदेलखंड की यात्रा करने का सौभाग्य प्राप्त करें।

यात्रा प्रोग्राम:- प्रताप नगर सेक्टर -3 से चांदखेड़ी, भोजपुर, बेतुल, मुक्तागिरि, चिकलदारा, कारंजा, अंतरिक्ष पारसनाथ, जिंतुर, रामटेक, अमरकंटक, जबलपुर, कुंडलपुर, ललितपुर, देवगढ़, सोनागिर जी, गोलाकोट सवाईमाधोपुर से वापस जयपुर।

दिनांक:- 24अप्रैल 2023. (सोमवार)

नोट :- बस प्रातः 6:15 बजे कृष्णा गार्डन के पास तेजाजी मंदिर के पीछे से रवाना होगी।

भोजन , आवास एवं कुली सहित।

सेवा शुल्क:-12000/-

टिकट बुक करवाने हेतु संपर्क करें ।

सुरेंद्र कुमार जी झांझरी
मो. - 9982223224

व्यवस्थापक:- अशोक कुमार जैन
9784493808,9057552167.

वेद ज्ञान

जीवन से प्रेरणा

वक्त और उम्र किसी का इंतजार नहीं करते। वे अपनी गति से बढ़ते रहते हैं। वक्त हमें पल-पल बहुत गहरी सीख देता है, लेकिन हम उस सीख को समझने का प्रयास ही नहीं करते और व्यर्थ के झगड़ों व कार्यों में उलझकर अपने समय को बर्बाद करते रहते हैं और जिंदगी के महत्वपूर्ण दिनों को व्यर्थ खोते जाते हैं। व्यक्ति को वक्त में केवल वर्तमान को महत्व देना चाहिए। अतीत के केवल उन्हीं अनुभवों को याद रखना चाहिए जो उसे जीवन के रणक्षेत्र में खड़ा होने के लिए मजबूत बनाते हों और जीवन की धरा पर चलना सिखाते हों। कृष्ण की लीलाएं अपरंपार हैं। हर व्यक्ति कृष्ण के चातुर्य, कौशल, प्रबंधन और कार्यक्षमता से बेहद प्रभावित है। वे हर परिस्थिति के समय मंद-मंद मुस्कराते थे और सामने वाले को अचंभित कर देते थे। यदि व्यक्ति कठिन से कठिन परिस्थिति में मुस्कराहट का साथ न छोड़े तो उसके अंतर्मन में कृष्ण का वास हो जाता है, उसकी बुद्धि कृष्ण सी निर्मल और शांत हो जाती है। कृष्ण वर्तमान को महत्व देते थे। उन्होंने भूतकाल और भविष्य को कभी याद नहीं किया। हर विपरीत परिस्थिति का सामना वे बहुत सहजता और चतुराई से करते थे और हमेशा विजयी व सफल रहते थे। जब भी श्रीकृष्ण विपरीत परिस्थिति को मात देकर विजयी भाव से लौटते तो उनके सखा पूछते कि प्रभु, आखिर आप हमेशा विजयी क्यों रहते हैं? श्रीकृष्ण विजयी मुस्कान के साथ बोलते कि मित्रों, वर्तमान को सदैव पकड़े रहो, सफलता के सूत्र यहीं बिखरे रहते हैं। जब आप वर्तमान का सामना करने से बचते हैं और भूतकाल व भविष्यकाल में उलझ जाते हैं तो वर्तमान समय की अच्छी परिस्थितियां भी विपरीत हो जाती हैं। इसके विपरीत जब आप वर्तमान में जीते हैं तो विपरीत परिस्थितियां भी आपकी मुट्ठी में आ जाती हैं और हल निकल आता है। कृष्ण हम सबके मन में बसे हैं। हम उन्हें देखना ही नहीं चाहते और अंतर्मन में झांके बिना बाहरी परिस्थितियों के सहारे किसी योजना के बगैर हाथ-पैर मारते रहते हैं। ऐसे में डूबना तो निश्चित ही है। कृष्ण का निवास उन व्यक्तियों के अंतर्मन में है, जो समय के बदलाव को जानते हैं, जो संघर्ष को विपत्ति नहीं जीवनशैली मानते हैं, जो चुनौतियों को भी अभ्यास के रूप में लेते हैं और जो हर काम में अपना शत-प्रतिशत योगदान देते हैं।

संपादकीय

ट्रंप पर कार्यवाही के बहुत बड़े मायने हैं...

दरअसल, यह पहली बार है जब अमेरिका में राष्ट्रपति पद पर रहे इस कद के व्यक्ति को वहां की अदालत में किसी अभियुक्त की तरह पेश होना पड़ा। हालांकि आमतौर पर यही माना जा रहा था कि कानून की तकनीकी बारीकियों का हवाला देकर उन्हें अदालत में प्रत्यक्ष पेशी से शायद बचा लिया जाए, लेकिन जब न्यूयार्क की ग्रैंड ज्यूरी की ओर से औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए गए, तब ट्रंप के सामने विकल्प सीमित रह गए। यही वजह है कि मंगलवार को उन्होंने मैनहट्टन की अदालत में समर्पण कर दिया और अब इस मामले में जांच आगे चलेगी। गौरतलब है कि ट्रंप पर 2016 में अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अभियान के दौरान गैरकानूनी तरीके से संबंधों को छिपाने की कोशिश के तहत अश्लील फिल्म की एक कलाकार को चुपके से पैसे दिलवाने और उसका भुगतान भी गलत तरीके से अपने अटार्नी को करने का आरोप है। उनके खिलाफ चौंतीस अपराध के मामले में आरोप तय किए गए हैं। हालांकि आरोप तय होने और स्पष्ट रूप से कानूनी प्रक्रिया शुरू होने के बाद ट्रंप ने खुद को समूचे मामले में बेकसूर बताया, लेकिन अदालत में उनकी नाटकीय उपस्थिति और वहां न्यायाधीशों के रुख के साथ ही यह साफ हो गया है कि फिलहाल उन्हें इस मामले की कानूनी जटिलताओं से दो-चार होना पड़ेगा। अगर किन्हीं हालात में उन पर लगे आरोप साबित होते हैं और वे दोषी घोषित किए जाते हैं तो उन्हें चार साल तक की सजा हो सकती है। यों वहां कानूनविदों का मानना है कि इस मामले में जेल की सजा अनिवार्य नहीं है। इसके पीछे कारण फिलहाल शायद इस बात को लेकर कायम अस्पष्टता हो कि दोषी होने के बावजूद एक पूर्व राष्ट्रपति होने के साथ-साथ अगले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दावेदार होने के नाते उन्हें जेल में भेजा जाएगा या नहीं। इस तरह की तकनीकी जटिलताओं के बावजूद यह सच है कि ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर रह चुके पहले शख्सियत हैं, जिन पर अपराध के आरोप तय हुए और अब इसकी छाया में ही उनके राजनीतिक भविष्य का अंजाम तय होना है। दरअसल, अमेरिका के राजनीतिक पटल पर जब से डोनाल्ड ट्रंप का उद्भव हुआ, तब से उन्हें लेकर जिस तरह की बातें सुर्खियों में रहीं, उसमें ताजा मामला कोई नया आयाम नहीं गढ़ता है। यहां तक कि तब राष्ट्रपति पद के लिए चले अभियान के दौरान और उनके चुन लिए जाने के बावजूद उनके कई बयानों और व्यवहार को लेकर विवाद खड़े होते रहे। नीतिगत स्तर पर भी उनके विचारों को दिशाहीन बताया गया। शायद यही वजह रही कि अगले चुनाव में वे हार गए। हालांकि उन्होंने नतीजों को स्वीकार नहीं किया। तब उनके समर्थन में अमेरिका में कैपिटल हिल्स पर हुई हिंसा ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। अब एक बार फिर अगले राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने दावेदारी जताई है। अमेरिकी चुनावों में समर्थन या विरोध के मामले में जैसी विभाजित परंपरा रही है, उसमें एक आकलन यह है कि ताजा मामले में आरोपों की प्रकृति उनके चुनाव अभियान पर प्रतिकूल असर डालेगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

पुराने संबंध

इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत और भूटान के बीच सदियों से मधुर संबंध रहे हैं और अच्छे पड़ोसी होने के नाते दोनों देशों में कई स्तर पर आपसी सहयोग पर आधारित तालमेल लंबे समय से कायम रहा है। लेकिन नई परिस्थितियों में दुनिया भर में बदलते समीकरण के दौर में ऐसे रिश्तों को मजबूती देने के लिए नए कार्यक्रमों पर जोर देना, उसमें स्पष्टता लाना समय की जरूरत होती है। इस लिहाज से देखें तो मंगलवार को नई दिल्ली में भूटान के राजा और भारत के प्रधानमंत्री की मुलाकात के दौरान आपसी संबंधों को दृढ़ करने को लेकर जिस तरह नीतिगत स्तर पर बातचीत आगे बढ़ी, वह एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम है। खासतौर पर दोनों देशों के बीच सुरक्षा के मुद्दे पर तालमेल बढ़ाने पर जो सहमति बनी और 'पहले से ही घनिष्ठ संबंधों' को विस्तार देने के मकसद से पांच सूत्रों पर आधारित रूपरेखा तैयार की गई, वह निश्चित रूप से भारत और भूटान के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। यों भी भारत में भूटान को लेकर अतीत में कभी कोई द्वंद्व नहीं रहा है। यह भारत का हमेशा ही करीबी सहयोगी रहा है। बल्कि पिछले कुछ सालों में द्विपक्षीय संबंधों को लेकर दोनों देशों के बीच काफी प्रगति हुई है। दरअसल, भारत में मौजूदा सरकार ने 'पड़ोसी प्रथम की नीति' की तरजीह दिया है। इसी के तहत भारत एक परस्पर सहयोगी पड़ोसी और नजदीकी मित्र के रूप में भूटान को महत्त्व देता रहा है। औपचारिक सद्भावनाओं और कार्यक्रमों के जरिए संबंधों में मजबूती को पुष्टि मिलती है। मगर भारत ने अपनी ओर से नीतिगत स्तर पर परस्पर सहयोग आधारित नीति ही अपनाई है, जिसमें एक दूसरे की गरिमा को कायम रखना एक अहम पक्ष होता है। भूटान नरेश के ताजा दौरे में भी भारत के साथ विविध क्षेत्रों में सहयोग को और व्यापक बनाने के मकसद से जो खाका तैयार किया गया, उसमें मुख्य रूप से पांच सूत्रों पर जोर दिया गया। इसमें अर्थव्यवस्था और विकास में साझेदारी के साथ-साथ भारत भूटान में व्यापार, संपर्क और निवेश के तहत बुनियादी ढांचा, रेल, हवाई संपर्क और अंतर्देशीय जलमार्ग विकसित करने में सहयोग करेगा। इसके अलावा, दीर्घकालिक और सतत व्यापार सुविधा के उपाय और ऊर्जा सहित अभिनव क्षेत्रों में सहयोग के रास्ते तलाशे जाएंगे। जाहिर है, भूटान नरेश की भारत यात्रा दोनों देशों के बीच पहले से कायम मित्रवत संबंधों को ताजगी देने और उसमें मजबूती लाने की कवायद है। लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत है कि भारत और भूटान, दोनों की सीमा से सटा देश चीन आज जिस तरह की बिसात रच रहा है, अगर समय रहते उसे नहीं समझा गया तो उससे नई जटिलताएं खड़ी होंगी। मसलन, हाल में चीन ने भारत के सीमाई इलाकों में जिस तरह की हरकतें की हैं, उसे वह औपचारिक शक्ल देने की फिराक में है और दूसरे देशों को भी अपने प्रभाव में लेना चाहता है। शायद इसी संजाल की वजह से भूटान के प्रधानमंत्री ने हाल ही में अपने एक साक्षात्कार में डोकलाम को लेकर एक उलझा हुआ बयान दिया था। उन्होंने भूटान के सीमावर्ती इलाकों में चीन की ओर से गांव बसाने के मसले पर भी कहा कि कोई अतिक्रमण नहीं हुआ। भूटान का यह रुख अगर अंतिम नहीं भी है तो इस तरह की अस्पष्टता से निश्चित रूप से एक भ्रम की स्थिति बनेगी। बेहतर हो कि भूटान चीन के दबाव में आए बिना भारत के साथ आपसी सहयोग और सम्मान पर आधारित रिश्ते की अहमियत को समझे। अतीत से लेकर अब तक घनिष्ठ संबंधों की बुनियाद पर एक मजबूत भविष्य का निर्माण दोनों देशों के लिए वक्त का तकाजा है।

गुरु बिना जीवन का सत्यानाश है, गुरु से ही जीवन का विकास संभव : गुरु मां विज्ञा श्री माताजी

पारस जैन पार्श्वमणि. शाबाश इंडिया

कोटा। गुरु से ही जीवन का विकास होता है गुरु बिना जीवन का सत्यानाश है प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में एक गुरु अवश्य बनाना चाहिए उक्त विचार दिगंबर जैन मंदिर विज्ञान नगर पर प्रवचन करते हुए आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ने व्यक्त किए प्रवचन करते हुए माताजी ने आगे कहा कि आज स्वतंत्र प्राप्ति के 76 साल हो गए पर आज भी मैकाले शिक्षा पद्धति लागू है जो ज्ञान तो कराती है पर आचरण विहीन है अर्थात इस शिक्षा से संस्कारों का अभाव है जिसका कारण परिवार में एकल व्यवस्था पनप रही है जबकि हमारे यहां वसुधैव कुटुंब की व्यवस्था प्राचीन समय से लागू थी सभा के प्रारंभ में ज्ञान श्री माताजी ने धर्मसभा को संबोधित किया उक्त जानकारी देते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष राजमल पाटोदी ने बताया कि धर्म सभा का प्रारंभ में प्रेमचंद बाहुबली ने भजन प्रस्तुत किया तथा मंगलाचरण रूपाली ठौरा द्वारा प्रस्तुत किया गया माता जी के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य श्रीमती कमला बाई चैतन्य प्रकाश बंसल

परिवार को एवं शास्त्र भेंट करने का गौरव पदम कुसुम ठौरा सांगोद वाले परिवार को प्राप्त हुआ सभा का संचालन अनिल ठौरा द्वारा किया गया। प्रवचन सभा में सकल समाज के महामंत्री विनोद टोरडी, कोषाध्यक्ष प्रकाश ठौरा, महिला संयोजक निशा वेद, पवन पाटोदी तथा सुरेश हरसोरा, सुरेश चांदवाड, महावीर जैन, पवन ठौरा जे के जैन विशेष रूप से उपस्थित थे।

आदिनाथ दिगम्बर जैन गंज मंदिर के मूलनायक भगवान हुए कमलासन पर विराजमान

अशोकनगर. शाबास इंडिया

अशोकनगर जैन समाज के लिए उत्साह भरा रहा आ. गुरुवर 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से पू. क्षुल्लक श्री विश्व प्रभु सागर जी के सानिध्य में , बा.ब्र. भैया संजीव कटंगी के निर्देशन में एवं दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में गंज मंदिर जी में मूलनायक भगवान एवं चौबीसी वेदी पर करीब 90 वर्ष बाद 1008 श्री आदिनाथ भगवान एवं 1008 श्री चंद्रप्रभु भगवान की प्रतिमा जी को कमलासन पर विराजमान किया गया। साथ ही साथ श्रीयंत्र जी , स्वास्तिक,छत्र, चंवर, भामंडल भी स्थापित किए गए सर्वप्रथम संजीव भैया जी के निर्देशन में श्री यागमंडल विधान किया गया तत्पश्चात ब्रा चारि भैया के निर्देशन में ही संपूर्ण कार्यक्रम पूरे विधि विधान से संपन्न हुआ जिसमें रमेश चौधरी अध्यक्ष दि. जैन पंचायत , आनंद अंशुल जैन आनंद कटपीस परिवार , आनंद कुमार धर्मेंद्र कुमार रोकड़िया परिवार तीनों परिवारों ने तीनों कमलासन स्थापित किए तत्पश्चात कुंदन लाल मनीष आशीष भारत परिवार, धर्मेंद्र रोकडिया परिवार आनंद अंशुल आनंद कटपीस परिवार ने श्री जी को कमलासन पर विराजमान किया। मूलनायक बेदी पर छत्र स्थापन का सौभाग्य मनीष आशीष MPTC परिवार , सुभाष कुमार राहुल कुमार एडवोकेट परिवार, ऋषभ राहुल भउआ परिवार को मिला एवं भामंडल स्थापित करने का सौभाग्य आनंद अंशुल आनंद कटपीस परिवार, रिंकेश कुमार रूपेश कुमार कांसल परिवार, मिंटू लाल जी विकास अभय जी चंद्रेश भारत परिवार को मिला एवं चंवर स्थापित करने का सौभाग्य मुकेश कुमार मुदित कुमार MK CLOTH परिवार, आनंद कुमार अंशुल कुमार आनंद कटपीस परिवार , सुभाष कुमार राहुल कुमार एडवोकेट परिवार रतनाली प्रिया सुपुत्री रमेश चौधरी परिवार, मनोज कुमार अभिषेक कुमार, शोभा एकांत श्रीजी कलेक्शन परिवार को मिला एवं चौबीसी बेदी पर आगे की तरफ कांच का कार्य कराने के लिए मुकेश कुमार मुदित कुमार MK CLOTH परिवार ने अपने भाव प्रकट किए समस्त कार्यक्रम में समाज जनों की बहुतायत उपस्थिति रही। अंत में दिगंबर जैन पंचायत कमेटी एवं गंज मंदिर की कमेटी ने सभी समाज जनों का हृदय से आभार ज्ञापित किया।

संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो की सत्र 2023-25 की नई टीम का हुआ गठन

अम्बिका सेठी अध्यक्ष रेखा पाटनी सचिव निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो की नई टीम का निर्वाचन सदस्याओं की मीटिंग में किया गया। संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती दीपिका जैन कोटखावदा ने सत्र 2023-25 की संगिनी मेट्रो की आगामी टीम की घोषणा की ,जिसमें अम्बिका सेठी अध्यक्ष,रेखा पाटनी सचिव,मैना जैन निवर्तमान अध्यक्ष, नीतू जैन मुल्तानी उपाध्यक्ष,नीतू जैन संयुक्त सचिव,दीपा गोधा कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। कार्यकारिणी सदस्याओं में पूनम चांदवाड,अमिता साह,मीनू जैन निमोडिया, सुनीता जैन,पारुल जैन,निशा जैन,अर्चना जैन चुनी गई है। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच नई टीम का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इससे पूर्व तीन बार सामूहिक रूप से विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का उच्चारण किया गया। सत्र 19-23 तक की अध्यक्ष मैना जैन गंगवाल ने स्वागत उदबोधन दिया। तथा नई टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मरूधरा ज्योति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. का भीलवाड़ा में चातुर्मासिक मंगलप्रवेश 28 जून को

चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत भवन में होगा चातुर्मास

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या मरूधरा ज्योति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 6 का भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत भवन में चातुर्मासिक मंगलप्रवेश 28 जून को होंगा। श्री अरिहन्त विकास समिति (स्थानकवासी जैन समाज) चन्द्रशेखर आजादनगर के तत्वावधान में होने वाले चातुर्मास में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के साथ आगम मर्मज्ञ डॉ. श्रीचेतनाजी म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. एवं नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य प्राप्त होंगा। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि जप-तप-भक्ति आधारित भव्य चातुर्मास के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है। चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत भवन में पहली बार चातुर्मास होने से क्षेत्र के जैन धर्मावलम्बियों में उत्साह का माहौल है। समिति के संरक्षक लक्ष्मणचन्द्र तातेड़, मदनलाल कोठारी, उपाध्यक्ष वीरेन्द्रसिंह कोठारी, अनिल ढाबरिया, मंत्री सुरेन्द्रकुमार चोरड़िया, कोषाध्यक्ष गणपत कुमठ, संगठन मंत्री नवरतन बाफना सहित सभी पदाधिकारी व सदस्य चातुर्मास को सफल बनाने के लिए तैयारियों में लगे है। गौरतलब है कि महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. इससे पूर्व भी भीलवाड़ा में शास्त्रीनगर स्थित अहिंसा भवन एवं बापूनगर स्थित महावीर भवन में चातुर्मास कर चुके हैं। महासाध्वीजी अभी सोजत सिटी में श्री मरूधर केसरी गुरू सेवा समिति में विराजित है।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन का आव्हान ...

रक्तदान के लिए रेल कर्मचारियों में भारी उत्साह

रेलवे के सभी विभागों के कर्मचारी करेंगे रक्तदान

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन के तत्वावधान में 10 अप्रैल को रेलवे अस्पताल गंगापुर सिटी में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यूनियन के मंडल अध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कि रक्तदान शिविर में रक्तदान करने के लिए कर्मचारियों में भारी उत्साह का वातावरण है। आज रेल की पटरियों को मरम्मत करने वाले इंजीनियरिंग विभाग के 50 से अधिक कर्मचारियों ने एक साथ संकल्प पत्र भरा व रक्तदान करने का संकल्प लिया। जैन ने बताया कि शिविर संयोजक मंडल के वरिष्ठ सदस्य रघुराज सिंह, वीरेंद्र मीणा, राजू लाल गुर्जर, हरिमोहन गुर्जर, लोकेश्वर मुद्गल,इमरान खान, आविद खान, जुनैद खान, बलराम गुर्जर, सोमेंद्र सिंह, मदन मोहन मीणा, धनेश मीणा,संपत गुर्जर आदि कार्यकताओं ने रेलवे के टीआरडी, चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग, स्टेशन के सभी कर्मचारी ,रनिंग कर्मचारियों ,व कैरिज कर्मचारियों से डिपो में जाकर कर्मचारियों से संपर्क किया रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। सहायक मंडल सचिव प्रकाश शर्मा ने बताया कि रक्तदान शिविर में अतिरिक्त जिला कलेक्टर नवरत्न कोली मुख्य अतिथि एवं डॉ महेंद्र मीणा निदेशक रिया हॉस्पिटल, डॉक्टर सतवीर सिंह डूडी प्रभारी रेलवे हॉस्पिटल, अनिल कुमार जैन सहायक मंडल इंजीनियर यूनियन के मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र मीणा विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। प्रकाश शर्मा ने बताया कि हमारा लक्ष्य 251 यूनिट रक्तदान का है। रेलवे कर्मचारियों के साथ-साथ शहर के आमजन भी काफी संख्या में इस अभियान में जुड़े हुए हैं ।शहर की सामाजिक संगठनों को भी शिविर में आमंत्रित किया गया है। मंडल उपाध्यक्ष जैन ने बताया कि शिविर में संग्रहित रक्त स्थानीय रिया ब्लड बैंक में संग्रहित रहेगा जो जरूरतमंद के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहेगा।

रिंग स्टाफ कान्फ्रेंस कोटा में संपन्न, कई समस्याओं पर हुई व्यापक चर्चा

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्प्लॉईज यूनियन की जोनल स्तरीय इंजीनियरिंग स्टाफ कान्फ्रेंस आज कोटा में उमराव मल पुरोहित सभागार में आयोजित हुई जिसमे कोटा भोपाल और जबलपुर मंडल के इंजिनियरिंग पी वे , वर्क्स , ब्रिज , ट्रेक मशीन आदि विभागो के सुपरवाइजर्स , आर्टिजन , टेक्नीशियन और ट्रेक मेंटेनर वर्ग के कर्मचारियों ने भारी संख्या में भाग लिया । यूनियम के मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कि इंजीनियरिंग कांफ्रेंस में भाग लेने यूनियन के तीनो मंडलों के पदाधिकारी और कर्मचारी विभिन्न गाड़ियों से कोटा पहुचे , जिनका प्लेटफार्म पर आगमन पर कोटा मंडल द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कांफ्रेंस का उद्घाटन यूनियन के महामंत्री कॉम. मुकेश गालव ने

किया। अपने उद्घाटन उद्बोधन में कॉम .मुकेश गालव ने इंजीनियरिंग स्टाफ को आह्वान किया कि वो यूनियन के झंडे के तले एकजुट होकर सुरक्षा के साथ रेल सेवा करे, यूनियन उनकी सभी मांगों के निस्तारण हेतु प्रतिबद्ध है ।कान्फ्रेंस में मुख्य अतिथि पश्चिम मध्य रेल के मुख्य ट्रेक इंजीनियर श्री अनूप कुमार रहे जिन्होंने अपने वक्तवय में इंजीनियरिंग स्टाफ के समर्पण की सराहना कि एवम यूनियन की भूमिका की प्रशंसा करते हुऐ स्टाफ की भावनाओं को प्रशासन तक पहुंचाने के लिए यूनियन की कार्यप्रणाली को सराहा। कांफ्रेंस की अध्यक्षता यूनियन के जोनल अध्यक्ष कॉम फिलिप ओमन ने की तथा संचालन कोटा मंडल सहायक मंडल सचिव कॉम नरेश मालव ने किया। इंजीनियरिंग कांफ्रेंस को एआईआरएफ की जोनल सचिव कॉम चम्पा वर्मा , जोनल कोषाध्यक्ष कॉम ईरशाद खान, भोपाल मंडल अध्यक्ष कॉम टी के गौतम , जबलपुर मंडल अध्यक्ष कॉम रोमेश मिश्रा , जोनल उपाध्यक्ष कॉम हेमंत राठौर , सहा मंडल सचिव बी एन शर्मा, राजू लाल गुर्जर , भोपाल मंडल सहा सचिव कॉम राजेश श्रीवास्तव , जयपुर बैंक उपाद्याक्ष कॉम मनजीत सिंह बग्गा , महिला विग मंडल सचिव कॉम ज्योति शर्मा , सहा मंडल इंजीनियर (गति शक्ति) श्री एन के गौतम ने भी संबोधित किया।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, चौमूं बाग, सांगानेर मे जैन संस्कार पाठशाला के छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,चौमूं बाग, सांगानेर मे महावीर भगवान के 2622 वें जन्म कल्याणक महोत्सव को बडे हर्षोउल्लास के साथ सर्व समाज सहित तीन लोक के नाथ को चांदी की पालकी में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। श्री महावीर भगवान का प्रातःकाल की बेला मे अभिषेक/शान्तिधारा करने का धर्मलाभ मुकेश कुमार ,अशोक कुमार मोठ्या छारेडा वाले,परिवार जन को प्राप्त हुआ। इसी क्रम मे जिनालय के मुख्य द्वार पर झंडा पहराने का सोभाग्य रतन लाल ,सुरेश कुमार ,सुनिल कुमार ,बडजात्या आवडा वाले परिवार जन को प्राप्त हुआ। श्री जी के पालकी के सारथी/ चवंर ढुलाने के लिए प्रेम चन्द जैन,नाथू लाल बाकलीवाल, अशोक कुमार छाबडा,रोहित कुमार ,मोहीत कुमार ,रमेश कुमार ,निहाल चन्द,बाबूलाल पाटोदी,अनिल कुमार भोंच को धर्म लाभ प्राप्त हुआ। मन्दिर कमेटी के मन्त्री , पारस मल जैन,(सोगानी)ने बताया कि श्री जी के भ्रमण के बाद मे अभिषेक/शान्तिधारा करने के पुण्यार्जक परिवार का चयन बोली के माध्यम से किया गया। जिस हेतू अशोक कुमार जी,रोहित कुमार, मोहीत कुमार जी छाबडा,बान्दीकुई को चयन कर अभिषेक/शान्तिधारा करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रेम चन्द बडजात्या ने बताया कि जैन संस्कार पाठशाला के छात्र/छात्राओं की ली गई परीक्षा का परिणाम घोषित कर बच्चों को सम्मानित किया गया। जिसके तहत सभी परीक्षार्थियों को पुरस्कार वितरण श्रीमान प्रदीप कुमार जी शशि जी गंगवाल,एवम्मिठाई का वितरण अशोक कुमार रेखा पाटनी परिवार जन की ओर से सभी बच्चो को किया गया।प्रबंध समिति के पदाधिकारी जय कुमार अजमेरा, पूर्व अध्यक्ष मूल चन्द जैन,अनिल कुमार भोंच, बाबूलाल, मुकेश छाबडा, राज कुमार गोधा के सहयोग से जुलुस की व्यवस्था एवं समापन के बाद वात्सल्य भोजन की व्यवस्था मे विशेष सहयोग रहा। अंत में मंदिर प्रबंध समिति के मंत्री पारसमल जैन सोगानी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी समाज जन, कार्यकर्ता, पाठशाला के शिक्षक गण, विशेष सहयोग प्रदान करने वाले सभी श्रेष्ठियों का आभार प्रकट किया। साथ ही सभी उपस्थित समाज जन से अपील की, कि पाठशाला में अधिक से अधिक संख्या में अपने बच्चों को जैन संस्कार प्राप्त करने के लिए अवश्य भेजें।

दीप्ति कांसल बनी महिला जैन मिलन की अध्यक्ष

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

महिला जैन मिलन के सत्र 2023-24 के लिये दीप्ति कांसल को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। अध्यक्ष शैलजा खैरा ने जानकारी देते हुए बताया कि गत दिवस वर्धमान धर्मशाला में आयोजित सभा का प्रारम्भ महावीर प्रार्थना से हुआ, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची बीड़ी एवं संयुक्त मंत्री महेंद्र जैन कडेसरा की उपस्थिति में सम्पन्न निर्वाचन प्रक्रिया में सत्र 2023-24 के लिए दीप्ति कांसल को महिला जैन मिलन का निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया। सभा में उपस्थित सदस्यायों ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आपके कुशल नेतृत्व में संस्था निरंतर उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर होगी ।आप एवं आपके द्वारा गठित ऊजार्वान टीम महिला जैन मिलन को नई ऊंचाईयां प्रदान करेंगी एवं भारतीय जैन मिलन आंदोलन की प्रगति में अग्रणी

रहेगी । हर्षिता जैन,प्रीति बाबा, सीमा मंगलदीप,रानी बारी,अंजू बाँझल,श्वेता भोपाली,अल्पना जैन,रानी छाया,मंजू जैन,वर्षा जैन, ओशी जैन नीतू जैन, दीप्ति टरैया, नीति जैन, विनीता मिर्ची, दीप्ति कनेरा,ज्योति चौधरी योगिता जैन आदि ने दीप्ति कांसल को बधाई देते हुए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। अहिक्षेत्र पारसनाथ में आयोजित भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अधिवेशन में महिला जैन मिलन अशोकनगर को श्रेष्ठ शाखा पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह पुरस्कार मीटिंग में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष कैची बीड़ी एवं राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री महेंद्र कडेसरा ने वीरांगनाओं को प्रदान किया।

जैन संतो के आगमन पर गांववासियों ने किया अभिनन्दन

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया।

रूपावास सोजत। परमात्मा किसी व्यक्ति विशेष से बंधे हुये नहीं होते हैं। संत शिरोमणी प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने रूपावास मे शनिवार को गांववासियों को धर्मसंदेश हुये कहा कि जो ईश्वर की भक्ति करता है प्रभु उसी के हो जाते है । भगवान को दौलत से नही खरीदा जा सकता है । भगवान भक्त के प्रेम, भाव के वशीभूत होकर स्वयं उससे बंध जाते है। भक्ति मे शक्ति होगी तभी परमात्मा को अपना बना सकते।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com